

## लोक संस्कृतिके अनूठे परव 'शिल्पग्राम' उत्सव का हुआ आगाज

### चर्चा में क्यों?

21 दसिंबर, 2022 को राजस्थान के राज्यपाल कलराज मशिर् ने राज्य की झीलों की नगरी नाम से मशहूर उदयपुर में लोक संस्कृतिके अनूठे परव 'शिल्पग्राम उत्सव' का शुभारंभ किया।

### प्रमुख बदि

- कार्यक्रम के आरंभ में राज्यपाल ने संगम सभागार में पश्चिमि क्षेत्र सांस्कृतिकि केंद्र द्वारा बेणेश्वर धाम के संत मावजी महाराज के चोपड़ों में समाहति चित्तिरों का छायांकन कर प्रलेखन कएि गये चित्तिरों की प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।
- राज्यपाल ने बताया कि उदयपुर का यह शिल्पग्राम देशभर में वखियात है। यहाँ पर राजस्थान, गोवा, गुजरात और महाराष्ट्र की ग्रामीण और स्वदेशी संस्कृति एक साथ अनुभूत की जा सकती है। इन सभी राज्यों के वभिन्नि जातीय समुदायों की संस्कृति, उनकी जीवनशैली और परंपराओं को यहाँ झोपड़ियों में दर्शाया गया है।
- शिल्पग्राम उत्सव में 400 शिल्पकार और 700 लोक कलाकार भाग ले रहे हैं। शिल्पग्राम में बेणेश्वर धाम के संत मावजी महाराज के चोपड़ों में समाहति चित्तिरों का छायांकन कर प्रलेखन किया गया है, जो देश की धरोहर है।
- राज्यपाल कलराज मशिर् ने जयपुर के तमाशा कलाकार व रंगकर्मी दलिपि कुमार भट्ट तथा अहमदाबाद के संस्कृति कर्मी तथा जनजात कला के उन्नयन में उल्लेखनीय कार्य करने वाले डॉ. भगवान दास पटेल को पद्मभूषण डॉ. कोमल कोठारी समृति लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्रदान किया।
- शिल्पग्राम उत्सव के उदघाटन अवसर पर मुख्य रंगमंच पर 'समागम'के आयोजन के अंतर्गत 9 राज्यों के सवा दो सौ कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रोलोग से हुई जिसमें दीपों से उत्सव का प्रकाश फैलाया। इसके बाद पश्चिमि बंगाल के शरीखोल नृत्य से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद जम्मू कश्मीर रॉफ, असम का बोडई शखिला, उड़ीसा को गोटीपुआ, महाराष्ट्र का लावणी, गोवा का समई, झारखंड का छऊ गुजरात का डांग और पंजाब के भांगड़े की प्रस्तुतियाँ सम्मोहक रही।